मेरा अधिकार मेरा सम्मान

अटल पेंशन योजना

ऑनलाइन APY सब्सक्राइबर रजिस्ट्रेशन
enps.nsdl.com/eNPS/ApySubRegistration.html
अगर आपकी उम्र 18 से 40 के बीच है, तो आप अटल पेंशन योजना में शामिल हो सकते हैं।

आज ही अपने नजदीकी बैंक/ पोस्ट ऑफिस ब्रांच से संपर्क करें, 18008891030 (टोल-फ्री) पर कॉल करें या www.pfrda.org.in पर जाएं।

PENSION FOR ALL

नेशनल पेंशन सिस्टम

अपना NPS अकाउंट ऑनलाइन खोलें
www.npstrust.org.in/content/open-your-nps-account-online

NPS या अपने नजदीकी POP-SP (डिस्ट्रीब्यूटर) के बारे में अधिक जानकारी के लिए, हमारे टोल फ्री नंबर 1800222080 पर कॉल करें, NPS लिखकर 56677 पर SMS करें या www.pfrda.org.in पर जाएं।

फाइनेंशियल लिटरेसी एंड ट्रेनिंग डिपार्टमेंट, PFRDA

पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण
PENSION FUND REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रिटायरमेंट के बारे में ज़रूरी जानकारी और जागरूकता कार्यक्रम

पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण

आर्थिक चिंताओं से छुटकारा पाएं - लाभ कमाएं

विषय सूची

1	रिटायरमेंट को समझें	2
2	ध्यान देने योग्य बातें	7
3	पेंशन प्रॉडक्ट की विशेषताएं: मुख्य बातें	11
4	नेशनल पेंशन सिस्टम का जादू	15
5	अटल पेंशन योजना की शक्ति	25
	उपसंहार	29
	शब्दावली	30

नमस्कार। मेरा नाम प्रोफेसर मनीराम है।

आप में से कई लोगों की रिटायरमेंट प्लानिंग और बचत के बारे में जानने की रुचि देखकर मुझे खुशी हो रही है। आज मैं जो बातें आपको बताने जा रहा हूं, वह 18 साल के व्यक्ति के साथ-साथ 70 साल के व्यक्ति पर भी लागू होती है।

अस्वीकरण

इस किताब में दी गई जानकारी सिर्फ उदाहरणात्मक, सूचनात्मक और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए है और जरूरी नहीं कि यह PFRDA के विचारों या राय का प्रतिनिधित्व करती हो। PFRDA इस किताब में दी गई सामग्री की सटीकता, प्रयोज्यता, उपयुक्तता या पूर्णता के संबंध में कोई प्रतिनिधित्व नहीं करता है या वारंटी नहीं देता है।

पहला संस्करण मई 2022. प्रतिकृति की अनुमति है बशर्ते स्रोत को अभिस्वीकृत किया गया हो।

अध्याय 01

रिटायरमेंट को समझें

अपनी आँखें बंद करें और उस समय की कल्पना करें जब आपने काम करना बंद कर दिया है। आपको क्या दिखाई दे रहा है?

क्या आप खुद को **आराम करते हुए, सुकून से अपना समय बिताते हुए, अपने बच्चों या पोते-पोतियों से मिलते हुए** और **छुट्टियां मनाते हुए देख रहे हैं?**

मेरे दोस्तों, आपकी ज़िंदगी का यह पड़ाव, जब आप काम करना बंद कर देते हैं और अपने बचाए हुए पैसों से ज़िंदगी गुजारते हैं, इसे ही रिटायरमेंट कहा जाता है।

यह एक ऐसा पड़ाव है जिसके लिए आपको पर्याप्त बचत करने की जरुरत होती है, ताकि आप वैसी ज़िंदगी जी सकें जिसकी आपने अभी कल्पना की थी।

- अपना घर चलाना
- मेडिकल खर्च
- आपकी और आपके परिवार की जरूरतें
- मनोरंजक गतिविधियाँ और छुट्टियाँ

आपको अपने रिटायरमेंट के बाद भी इन चीजों के लिए पर्याप्त पैसों की जरुरत पड़ेगी।

यह तभी मुमकिन है जब आप अपनी कामकाजी ज़िंदगी के शुरुआती पड़ाव में अपनी आर्थिक तंगी और चिंताओं से आजादी पा लेते हैं।

जिसका मतलब है कि अब वह वक्त आ गया है जब आपको रिटायरमेंट की जरूरतों के लिए कदम उठाने चाहिए।

क्या आप तैयार हैं?

अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग करना

अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग करने का मतलब यह है कि आपको इतनी बचत करनी है कि आप बाकी ज़िंदगी की जरूरतें को आराम से पूरी कर सकें। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे यह निर्धारित किया जा सके कि आपकी रिटायरमेंट के बाद आराम से रहने के लिए कितने पैसों की जरुरत होगी।

उसके लिए, आपको यह भी पता लगाना होगा कि आपके पास अपने सुनहरे समय **(रिटायरमेंट के बाद का समय)** तक पहुंचने के लिए कितना वक्त बचा है।

तो चलिए अनुमान लगाते हैं कि आज के दौर में इंसान की औसत आयु कितनी है।

फैक्ट यह है कि आप में से ज़्यादातर लोग रिटायर होने के बाद कई सालों तक जीवित रहेंगे क्योंकि हेल्थ केयर में प्रगति के साथ इंसान के जीवनकाल में भी बढ़ोतरी हुई है।

आज भारत में एक औसत इंसान 60 साल की उम्र में रिटायर होने के बाद 20 से ज़्यादा सालों तक जीवित रहता है।

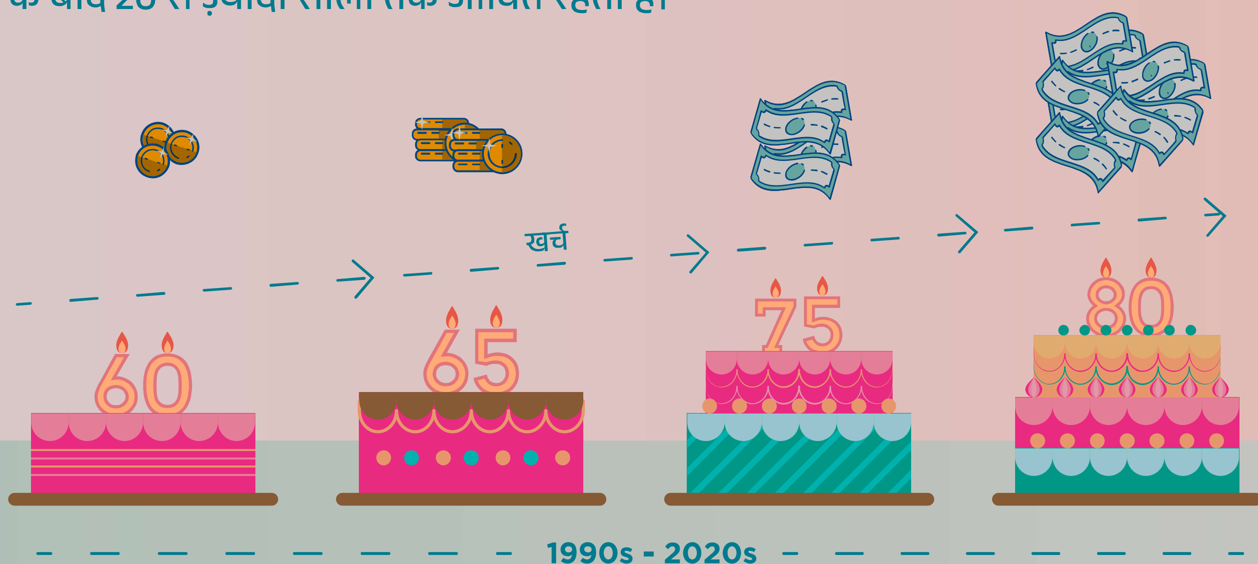

इसलिए आपको रिटायरमेंट की अवधि में अपनी रोज़ाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पैसों की जरुरत पड़ेगी।

लेकिन अगर उचित प्लान नहीं बनाया जाता है, तो रिटायरमेंट के समय आपके पास काफी कम पैसे हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आपके पास अपने मासिक खर्चों को मैनेज करने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं होगा। ऐसी स्थिति आपको फिर से काम करने पर मजबूर कर सकती है। लेकिन **अगर आप अभी से प्लान बनाते हैं, तो बाद में पैसे खत्म होने की संभावना काफी कम हो जाती है।**

इसलिए आज ही रिटायरमेंट के लिए प्लान बनाएं और भविष्य की किसी भी चिंता से मुक्त हो जाएं!

सभी के लिए पेंशन

क्या आप जानते हैं कि रिटायरमेंट प्लानिंग की दिशा में आपका सबसे अच्छा कदम क्या है? जवाब आपकी सोच से कहीं ज़्यादा आसान है। जवाब है - पेंशन। जी हाँ, पेंशन आपके रिटायरमेंट के बाद आपकी जीविका का साधन है।

आप रिटायर होने पर बिना चिंता के आराम से रह सकते हैं क्योंकि आपके पास सुकून से ज़िंदगी गुज़ारने के लिए काफी पैसा होगा।

पेंशन में आपको हर महीने गारंटीड, निश्चित राशि मिलती है।

पेंशन उन पैसों से मिलती है जिन्हें रिटायरमेंट के लिए अलग रखा गया है।

पेंशन रिटायरमेंट के बाद आपकी ज़रूरतों और सपनों को पूरा करने में मदद करती है।

लेकिन क्या आपको लगता है कि पेंशन सिर्फ सरकारी कर्मचारियों या प्राइवेट कंपनियों में काम करने वालों को ही मिलती है? अगर आप ऐसा सोचते हैं तो यह गलत होगा।

मेरे दोस्तों, सभी को पेंशन मिल सकती है - आपको भी मिल सकती है।

जल्दी शुरुआत करें, ज़्यादा बचत करें

आपको क्या लगता है कि आपको अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग कब शुरू करनी चाहिए? अभी।
जी हाँ, आपने सही सुना।

आप 18 से 70 साल के बीच किसी भी उम्र में अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग कर सकते हैं।

आप जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, आपके पास अपने सुनहरे सालों के लिए उतनी ही ज़्यादा रिटायरमेंट संपत्ति (यानी मन की शांति) होगी।

चलिए, मैं आपको एक उदाहरण देता हूँ।

आपकी वर्तमान उम्र = 25 साल
मासिक खर्च = ₹ 10,000
आप जिस उम्र में रिटायर होंगे = 60 साल
आप किस उम्र तक के लिए प्लान करना चाहते हैं = 80 साल

अनुमान

महंगाई = 5%
पेंशन निवेश पर रिटर्न = 10%

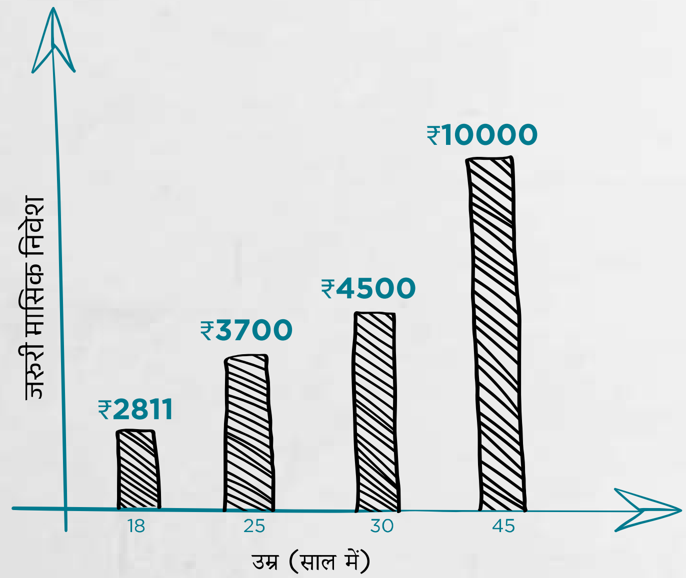

यहां अलग-अलग उम्र के लिए कुछ स्थितियां दी गई हैं। आप नीचे मासिक खर्चों की महंगाई -समायोजित वैल्यू, मासिक आधार पर निवेश करने के लिए ज़रूरी राशि और 60 साल की उम्र में आवश्यक रिटायरमेंट धन देख सकते हैं।

उम्र	25 (रिटायरमेंट के लिए 35 साल बाकी)	30 (रिटायरमेंट के लिए 30 साल बाकी)	45 (रिटायरमेंट के लिए 15 साल बाकी)
60 साल की उम्र में खर्च की वैल्यू	55,160	43,219	20,789
हर महीने कितनी राशि निवेश करनी है	2,236	2,942	7,720
60 की उम्र में कितने कॉर्पस की आवश्यकता होगी	85 लाख	67 लाख	32 लाख

जल्दी शुरुआत करें और कई सालों तक अपनी पेंशन के लिए बचत करें।

इस तरह से आपकी ज़िंदगी के वे सुनहरे साल आराम से कटेंगे - अगर आप जल्दी रिटायर होने का फैसला लेते हैं, तो भी आपको जल्दी पैसा बचाना शुरू करना होगा।

मनीराम मंत्र

- रिटायरमेंट की जरूरतों के लिए जल्द कदम उठाएं और भविष्य की आर्थिक चिंताओं से मुक्ति पाएं।
- अगर आप सरकारी या प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी नहीं हैं, तो भी आपको पेंशन मिल सकती है।
- जल्दी से बचत करना शुरू करें ताकि आपको अपनी रिटायरमेंट के पैसे जमा करने के लिए कई साल मिल सकें और कम्पाउंडिंग के असर का आनंद लें। ऐसा करने से आप अपने रिटायरमेंट के बाद की ज़िंदगी आराम से काट सकेंगे।

अपना NPS अकाउंट ऑनलाइन खोलें www.npstrust.org.in/content/open-your-nps-account-online

अध्याय 02

ध्यान देने योग्य बातें

आपको रिटायरमेंट प्लान करने के लिए कुछ अहम चीज़ों पर विचार करना चाहिए, जैसे कि :

- **आप कब रिटायर होना चाहते हैं?**
- **आपको रिटायरमेंट के बाद कितने पैसे की जरुरत पड़ेगी?**
- **क्या आप जल्दी रिटायर हो सकते हैं?**
- **जब आप काम करना बंद कर देंगे तो आप आय का निरंतर प्रवाह कैसे सुनिश्चित करेंगे?**

चलिए मैं इनके बारे में थोड़ा विस्तार से समझाता हूँ।

1. पहले पॉइंट पर आते हैं — **आप कब रिटायर होना चाहते हैं?**

   क्या आप और 10 साल काम करना चाहते हैं? या क्या आप 20 साल, 30 साल या शायद उससे भी ज़्यादा समय के लिए काम करना चाहते हैं? याद रखें, किसी भी सामान्य व्यक्ति से 80 साल से ज़्यादा जीवित रहने की उम्मीद की जाती है; इसलिए जितनी जल्दी आप रिटायर होंगे, उतनी ही लंबी अवधि के लिए आपको पेंशन की ज़रुरत पड़ेगी।

2. दूसरा पॉइंट है — **आपको रिटायरमेंट के बाद हर महीने कितने पैसे की ज़रुरत पड़ेगी?**

   - यह खाने, कपड़े और दवाओं के लिए आपके दिन-प्रतिदिन के खर्चों पर आधारित होगा। वर्तमान में जो कुछ खर्चे हैं उनका स्वरूप बदल सकता है। उदाहरण के लिए, स्कूल की फीस हेल्थ केयर के खर्चों से बदल सकते हैं।

   - महंगाई पर विचार करना सबसे अहम चीज़ है। इसे मैं एक आसान उदाहरण से समझाता हूँ। मान लीजिए, आज आप ₹ 50 में 1 किलो चावल खरीदते हैं। अब से 10 सालों बाद, 5% महंगाई बढ़ने से इसकी कीमत 75 रुपये होगी। अगर आप अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग में महंगाई को शामिल नहीं करते हैं, तो पेंशन में कमी का सामना करना पड़ सकता है।

अगर आप आज 30 साल के हैं तो आपके रिटायरमेंट के समय कैलक्युलेशन कुछ इस तरह दिखेगी।

वर्तमान उम्र = 30 साल

वर्तमान खर्च = ₹ 10,000 महीना

60 साल की उम्र में रिटायर होना और 80 तक का प्लान करना

महंगाई = 5%

रिटायरमेंट पर महंगाई ध्यान में रखते हुए खर्च की वैल्यू = ₹ 43,000 महीना

अगर महंगाई को ध्यान में नहीं रखा जाता है तो खर्च के लिए ज़रूरी राशि में महीने के हिसाब से कमी = ₹ 33,000

आप साफ़ तौर पर देख सकते हैं कि रिटायरमेंट का प्लान बनाते समय महंगाई को समझना और उस पर विचार करना कितना अहम है।

3. **क्या आप जल्दी रिटायर हो सकते हैं,** इस सवाल का जवाब पाने के लिए आपको यह पता लगाना होगा कि जब आप रिटायर होंगे तो आपको कितनी राशि की ज़रुरत होगी।

चलिए आपको इसका एक उदाहरण देते हैं।

आपकी उम्र 30 साल है

वर्तमान में आपका महीने का खर्च ₹ 10,000 है

महंगाई की दर 5% है

आपके पेंशन निवेश पर रिटर्न 10% है

आप चाहते हैं कि आपकी बचत कम से कम 80 साल की उम्र तक चलती रहे

अगर आप 60 साल तक काम करते हैं, तो आपको हर महीने ₹ 2,942 का योगदान देना होगा

लेकिन अगर आप 50 साल की उम्र में रिटायर होना चाहते हैं, तो आपको इससे काफी ज़्यादा बचत करनी होगी - यानी हर महीने ₹ 6,660

4. अपने रिटायरमेंट के बाद इनकम का स्थिर और पर्याप्त फ्लो सुनिश्चित करने के लिए आपको अपने पेंशन निवेश पर रिटर्न को ध्यान में रखना चाहिए।

अगर आप चाहते हैं कि रिटर्न महंगाई को मात दे, तो आपको समझदारी से अपने निवेश चुनने चाहिए। अलग-अलग निवेश विकल्पों से जुड़े रिस्क और रिटर्न को समझें।

मान लीजिए आप हर महीने ₹500 का निवेश करते हैं। 30 सालों के अंत में आपके पेंशन निवेश पर अनुमानित रिटर्न हर तरह के निवेश में अलग होगा।

फिक्स्ड रिटर्न निवेश, जैसे कि, बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट सुरक्षित तो हैं लेकिन मार्केट से लिंक्ड निवेशों की तुलना में कम रिटर्न देते हैं।

अगर आप सिर्फ 6% सालाना की दर वाले फिक्स्ड रिटर्न में निवेश करते हैं तो आपको ₹5,00,000 मिलेंगे। 12% सालाना की दर वाली इक्विटी में निवेश करने से आपके पास ₹17,47,482 का रिटायरमेंट फंड होगा।

अब आप उन चीज़ों के बारे में जान गए हैं जो रिटायरमेंट प्लानिंग को प्रभावित करते हैं, लेकिन आप इसे किस तरह से अमलीजामा पहनाएंगे? अधिक विवरण के लिए पढ़ना जारी रखें।

अपना रिटायरमेंट प्लान तैयार करना

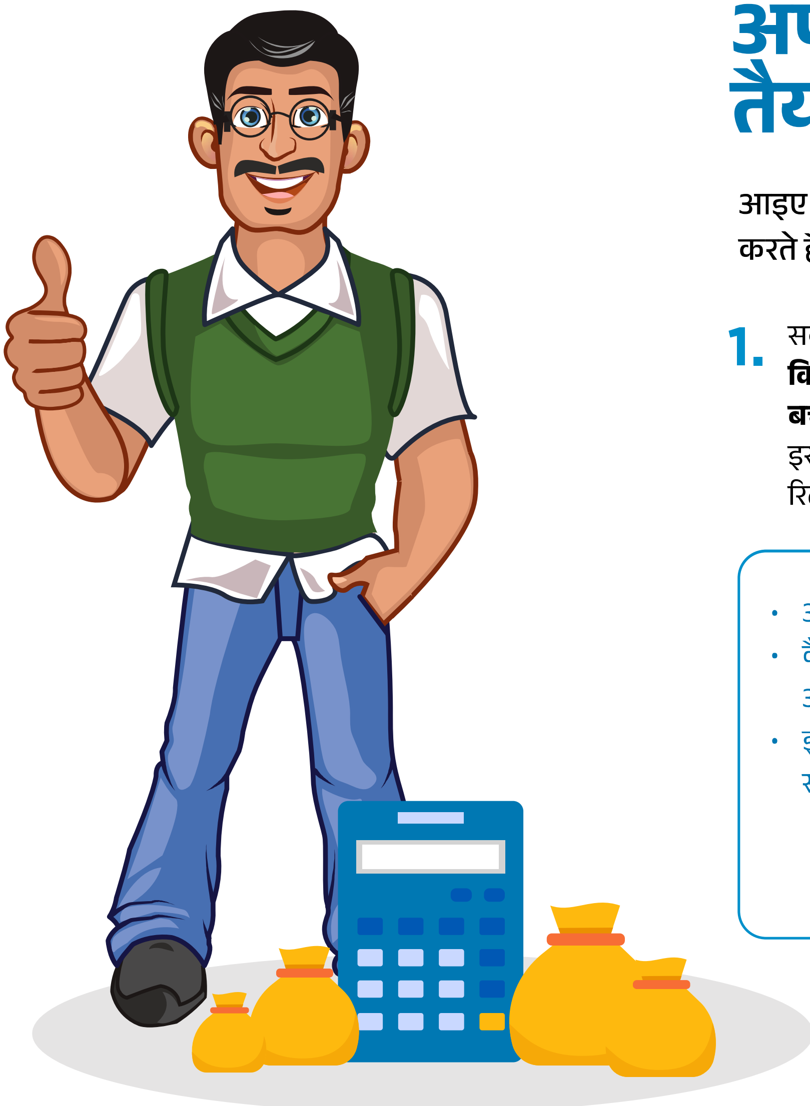

आइए अब रिटायरमेंट प्लान बनाने के बारे में बात करते हैं। इसके लिए नीचे कुछ तरीके बताए गए हैं।

1. सबसे पहले **आपको यह पता लगाने की जरुरत है कि आपको अपने रिटायरमेंट के लिए कितनी राशि बचाने की जरुरत पड़ेगी।** आप सोच रहे होंगे की इसका पता कैसे लगाएं? यहां बताया गया है कि एक रिटायरमेंट कैलकुलेटर में क्या-क्या होता है।

- आप अपनी मनचाही मासिक पेंशन तय कर सकते हैं
- कैलकुलेटर आपको यह बताता है कि पेंशन राशि के आधार पर आपको कितने पैसे जमा करने की जरुरत है
- इस लिंक पर आप रिटायरमेंट कैलकुलेटर देख सकते हैं

www.npstrust.org.in/content/pension-calculator

यह तालिका आपको दिखाती है कि आपको अपनी उम्र के मुताबिक हर महीने कितनी राशि बचानी है ताकि आपके रिटायर होने तक आपके पास काफी अच्छी और पर्याप्त राशि हो।

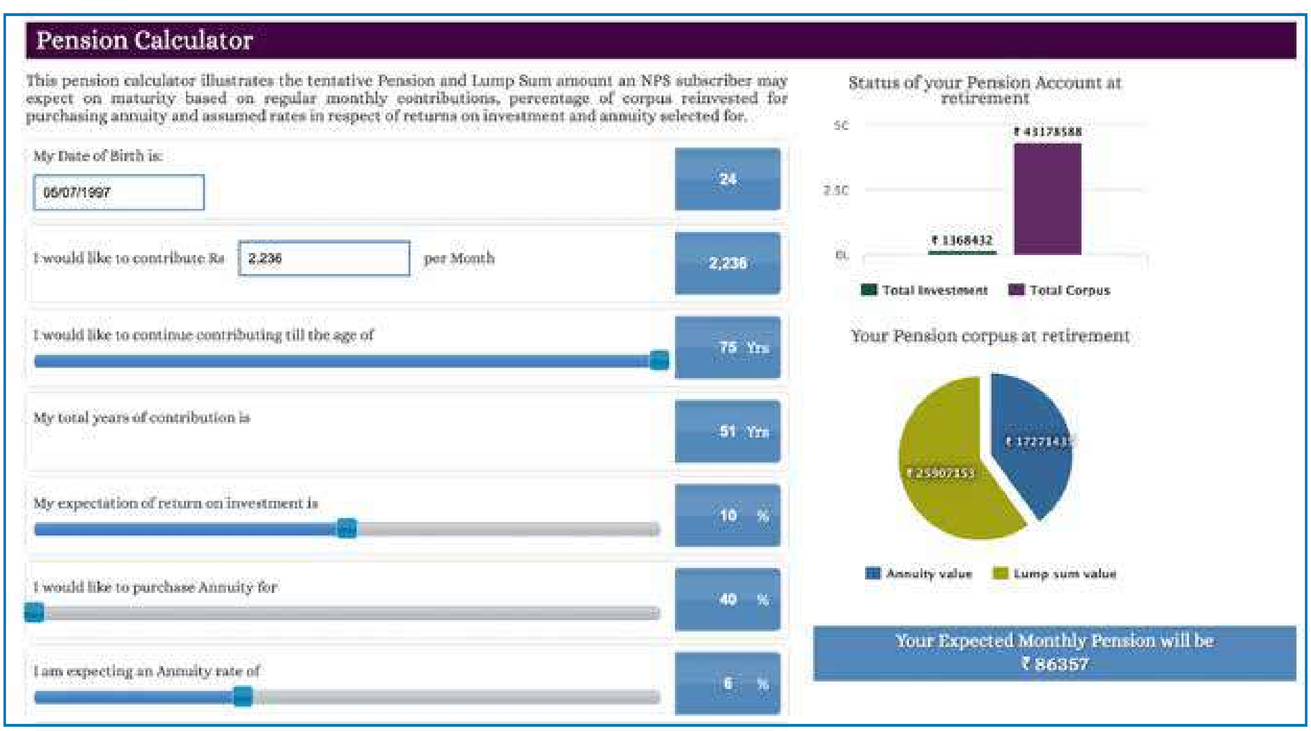

2. इसके बाद, आपको **अपनी वर्तमान स्थिति का आकलन करना होगा।**

- इस बात पर विचार करें कि आप वर्तमान में जो पैसा कमाते हैं, इससे आप अपनी रिटायरमेंट की उम्र के लिए कितनी राशि बचा सकते हैं।
- बचत करना शुरू करें। अगर राशि छोटी है तो चिंता न करें। बाद में जब आपके पास ज़्यादा पैसा हो तब आप ज़्यादा बचत कर सकते हैं।
- इस बारे में विचार करें कि आप अभी कितना जोखिम ले सकते हैं। आप कम रिटर्न देने वाले सुरक्षित निवेश चुन सकते हैं या ज़्यादा रिटर्न देने वाले जोखिम भरे निवेश चुन सकते हैं।

3. आखिर में, **कई तरह के पेंशन प्लान के बारे में जानें।**

- चेक करें कि जो प्लान आप देख रहे हैं, क्या वह पेंशन प्रदान करता है (NPS, इंश्योरेंस और अन्य)?
- चेक करें कि क्या प्लान गारंटीड पेंशन प्राप्त करने में आपकी मदद करता है?
- पता लगाएं कि आपका पेंशन प्लान किन एसेट वर्गों में निवेश करता है?

वर्तमान में उपलब्ध कई तरह के प्लान की समीक्षा करने और इसमें शामिल फाइनेंशियल लाभ और रिस्क को समझने के बाद आप अपना फैसला ले सकते हैं। इसके अलावा, मैं तो आपको गाइड करने के लिए हमेशा उपलब्ध हूँ। आप मुझसे संपर्क करने के लिए, कॉल सेंटर नंबर 1800110708 और 1800110069 पर अपने PFRDA सपोर्ट से संपर्क कर सकते हैं। आप NPS और APY से संबंधित प्रश्नों के लिए क्रमशः 1800222080 और 18008891030 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

मनीराम मंत्र

- अपना रिटायरमेंट प्लान तैयार करने के लिए आपको यह समझना पड़ता है कि आप अपने अनुमानित खर्चों और वर्तमान उम्र के आधार पर कितनी बचत कर सकते हैं।
- पेंशन निवेश के लिए आपके पास मौजूद विकल्पों का पता लगाएं।
- विकल्पों में शामिल रिस्क और रिटर्न को समझें।

अध्याय 3
पेंशन प्रॉडक्ट की विशेषताएं: मुख्य बातें

अब आप रिटायरमेंट प्लान बनाते समय महंगाई की अहमियत को समझ गए होंगे। महंगाई को मात देने के लिए अपने पैसे को तेजी से बढ़ाना होगा।

1. सबसे **पहले, पहचानें कि आपका निवेश विकल्प कितनी अच्छी तरह नियंत्रित है।**

- विनियम सुनिश्चित करते हैं कि आपका पैसा जिम्मेदारी से निवेश किया जाता है
- आपके निवेश को विनियामक द्वारा जारी प्रॉडक्ट गाइडलाइन के मुताबिक नियंत्रित किया जाता है

2. दूसरी बात, अपने पेंशन प्लान को मैनेज करने की लागत का हिसाब लगाएं।

- ज़्यादा लागत का मतलब कम रिटर्न होता है - इस बात को याद रखें!
- लागत आपके निवेश के रिटर्न पर असर डालती है, इसलिए कम लागत वाले निवेश ढूंढने की कोशिश करें।

तीसरी बात, **चेक करें कि पेंशन प्लान कितना पारदर्शी है।**

3. अगर पेंशन प्लान आपको चार्जेज के बारे में और पेंशन योगदान को किस तरह निवेश किया जाता है इसके बारे में सब कुछ सही बताता है, तो फैसला लेना काफी आसान हो जाता है।

4. चौथी बात, **पता करें कि क्या पेंशन प्लान सर्विस डिलीवरी प्रदान करता है** और शिकायतों का समाधान करता है।

- उसके पास आपकी शिकायतों का समाधान जल्दी और निर्णायक रूप से करने का एक तरीका होना चाहिए
- इसमें एक सुविधाजनक संचार चैनल होना चाहिए जहां कोई जरूरत पड़ने पर समाधान प्रदान करने के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

5. अगली बात, पता करें कि प्लान ने शुरुआत से और पिछले पांच से सात सालों में **कैसा प्रदर्शन किया है।**

- रिटर्न नियमित होने चाहिए
- रिटर्न एक साल में कम और अगले साल में ज्यादा नहीं होने चाहिए

6. और अंतिम बात, चेक करें कि क्या **पेंशन प्लान ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करता है।**

मुझे ऑनलाइन सेवाओं की अहमियत पर जोर देने की जरुरत नहीं है। आप जानते हैं कि आज जब चीजें ऑनलाइन हो रही हैं तो आपकी ज़िंदगी कितनी आसान हो गई है।

एक बार जब आप इन महत्वपूर्ण चीजों पर विचार कर लेते हैं, तो सही पेंशन निवेश चुनने का काम आसान हो जाता है।

रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

सही निवेश विकल्प चुनने के लिए बहुत सोच-विचार करने और प्लान बनाने की जरुरत होती है। और ऐसे में काफी उलझन भी हो सकती है। इसलिए मैं आपकी मदद करने के लिए यहाँ हूँ।

आप नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS), अटल पेंशन योजना (APY), पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF), म्यूचुअल फंड, और इंश्योरेंस कंपनियों और म्यूचुअल फंड की पेंशन स्कीम में से कोई भी चुन सकते हैं। मैंने आपकी समझ के लिए हर एक विकल्प के तौर-तरीकों को सूचीबद्ध किया है। जो भी आपके लिए सबसे अच्छा है, आपको वही विकल्प चुनना चाहिए।

इन प्लान की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नज़र डालें।

	नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS)	अटल पेंशन योजना (APY)	पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF)	म्यूचुअल फंड	इंश्योरेंस कंपनियों की पेंशन स्कीम
ये कहाँ निवेश करते हैं	इक्विटी/बॉन्ड	इक्विटी/बॉन्ड	बॉन्ड और अन्य	इक्विटी/बॉन्ड	इक्विटी/बॉन्ड
फिक्स्ड रिटर्न	नहीं	पेंशन राशि गारंटीड है	हाँ	नहीं	नहीं
निवेशक लागत	0.26-0.3%	उपलब्ध नहीं है	कुछ नहीं	1-2%	>5%
गुण	1. वहनीय (पोर्टेबल) 2. कम लागत 3. सेक्शन 80C के तहत किए गए अंशदान और सेक्शन 80CCD (1B) के तहत विशेष ₹ 50,000 का टैक्स लाभ लिया जा सकता है। 4. एकमुश्त + नियमित पेंशन 5. शर्तों के अधीन पैसे की निकासी की जा सकती है 6. समय से पहले अकाउंट का समापन (क्लोज़र) संभव है 7. निकासी की रकम टैक्स फ्री होती है 8. आपके वार्षिक भत्ते पर GST लागू नहीं होती	1. शर्तों के अधीन समय से पहले क्लोज़र संभव है 2 अंशदान के आधार पर पेंशन की निश्चित राशि 3. सेक्शन 80CCD (1B) के तहत अंशदान पर टैक्स बेनिफिट	1.वहनीय (पोर्टेबल) 2. सिर्फ एकमुश्त लाभ 3. फिक्स्ड रिटर्न 4. सेक्शन 80C के तहत टैक्स बेनिफिट 5. शर्तों के अधीन समय से पहले अकाउंट का समापन (क्लोज़र) संभव है	1. कोई लॉक-इन पीरियड नहीं; एग्जिट चार्ज लगाए जाएंगे 2. चुनने के लिए कई तरह की स्कीम 3. सेक्शन 80C के तहत टैक्स बेनिफिट 4. समय से पहले अकाउंट का समापन (क्लोज़र) संभव है	1. लाइफ कवर के साथ आता है 2. सेक्शन 80C के तहत टैक्स लाभ
दोष	1. कम से कम 5 साल का लॉक-इन पीरियड; एग्जिट चार्ज के साथ	1. कोई निवेश विकल्प नहीं	1. कम से कम 5 साल का लॉक-इन पीरियड; एग्जिट चार्ज के साथ 2. अधिकतम निवेश और रिटर्न पर कैप	1. बहुत ज़्यादा फंड में से चयन करना भ्रामक हो सकता है 2. फंड्स पर नज़र रखनी पड़ती है	बहुत ज़्यादा लागत की वजह से यह निवेशक के रिटर्न को कम कर देता है

पेंशन का फायदा

जब आप रिटायर हों, तो हो सकता है कि आपने एक बड़ा फंड जमा कर लिया हो (यह किसी बड़ी राशि की तरह लग सकता है) लेकिन आप अभी भी असमंजस में पड़ सकते हैं। क्या आपको इसे एकमुश्त पेमेंट के तौर पर रखना चाहिए या आप उसे ऐसी राशि में बदलना चाहते हैं जिसमें समय-समय पर पेमेंट मिलता रहे और जो आपकी सैलरी की जगह ले सके?

एकमुश्त पेमेंट आपको कर्ज चुकाने, अपने परिवार पर खर्च करने या कहीं घूमने जाने में मदद करेगी। हालांकि, कई वैश्विक अध्ययनों से पता चलता है कि एकमुश्त 'रिटायरमेंट पॉट' जल्दी खत्म हो जाता है, कभी-कभी यह रिटायरमेंट के सिर्फ पांच साल बाद ही खत्म हो जाता है। याद रखें, 60 की उम्र का होने के बाद 20 साल से ज़्यादा जीवित रहने की उम्मीद की जाती है।

दूसरी ओर, एक नियमित रिटायरमेंट इनकम ज़्यादा प्रेडिक्टेबल है और महीने के बजट को ज़्यादा आसानी से मैनेज करने में मदद करती है और यह कुछ हद तक आपके रोजगार के सालों के दौरान मिलने वाली नियमित सैलरी की तरह होती है।

एकमुश्त पेमेंट की तुलना में पेंशन के फायदों को समझने के लिए नीचे दी गई तालिका पर एक नज़र डालें।

पेंशन/एन्यूइटी	एकमुश्त पेमेंट
गारंटीड नियमित पेमेंट	कोई नियमित पेमेंट नहीं
आर्थिक सुरक्षा की बेहतर भावना प्रदान करता है	निकासी में ज़्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है लेकिन इसके लिए आपको ज़्यादा जिम्मेदारी उठाने की जरुरत होती है
खर्चों को मैनेज करने की ज़्यादा संभावना	ज़्यादा खर्च करने की संभावना
आजीवन गारंटीड पेमेंट	आपको एहसास होने से पहले ही पैसे खत्म होने की बहुत ज़्यादा संभावना है
आपके रिटायरमेंट के दौरान भी बचत की योजना बनाने में आपकी मदद कर सकता है	एक रेगुलर इनकम प्राप्त करने के लिए बहुत ज़्यादा फाइनेंशियल जानकारी होने और लगातार नज़र रखने की जरुरत पड़ती है

तो, आगे क्या करना है?

हमने कई तरह के प्लान पर चर्चा की है, लेकिन आपको दो प्लान यानी नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) और अटल पेंशन योजना (APY) को ज़्यादा विस्तार से समझने की जरुरत है। मुझे विश्वास है कि ये ज़्यादातर लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।
लेकिन इससे पहले कि हम NPS और APY पर अगले अध्याय की ओर बढ़ते हैं, मैं कुछ एहतियाती कदमों पर रोशनी डालना चाहता हूं जो आप सभी को आज से ही उठाने चाहिए।

नियमित पेंशन पाने और आर्थिक तौर पर अच्छी स्थिति में रहने के लिए आगे का प्लान बनाएं

- अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें
- उपभोग, लाइफस्टाइल और खर्चों के लिए लोन लेने से बचें
- अपने फाइनेंशियल डाक्यूमेंट्स को अच्छी तरह से रखें
- नॉमिनी का विवरण हमेशा अपडेट करें

धोखाधड़ी से सतर्क रहें

- अनजान लोगों के साथ कोई भी फाइनेंशियल जानकारी शेयर न करें
- अपना डेबिट कार्ड और उसका विवरण दूसरों को न दें
- डिजिटल ट्रांज़ैक्शन में अतिरिक्त सावधानी बरतें
- किसी अजनबी को आपके अकाउंट में पैसे डालने के लिए सहमति न दें
- किसी को भी अपने फोन/कंप्यूटर पर एक्सेस न दें
- KYC मैसेज से सावधान रहें - सिर्फ सीधे अपने बैंक/फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन की ब्रांच या उनकी वेबसाइट पर डील करें

मनीराम मंत्र

निवेश करने से पहले इन चीजों पर प्रमुखता से विचार करना चाहिए - लागत, पारदर्शिता, अधिनियम और सेवा का स्तर।

एकमुश्त पेमेंट की तुलना में पेंशन नियमित पेमेंट प्रदान करती हैं।

NPS और APY ज़्यादातर लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

नेशनल पेंशन सिस्टम का जादू

दोस्तों, जब पेंशन प्लानिंग की बात आती है, तो क्या आप हमारे सुपरस्टार के बारे में जानने के लिए तैयार हैं?

पेश है, नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS)

NPS एक ऐसी स्कीम है जिसमें आप व्यक्तिगत पेंशन अकाउंट में पैसा जमा करते हैं। इसमें आप अपने पूरे कामकाजी जीवन में इस अकाउंट में पैसा जमा करते हैं और रिटायरमेंट के बाद इन पैसों का इस्तेमाल करते हैं।

इतना ही नहीं! NPS आपको साल के दौरान किसी भी समय निवेश करने की सुविधा देता है। यह आपको टैक्स डिडक्शन के योग्य बनाता है और जो विड्रॉल पर भारी टैक्स सुविधाएं भी प्रदान करता है।

चलिए इस अनूठे पेंशन प्लान के फायदों के बारे में थोड़ा गहराई से जानते हैं।

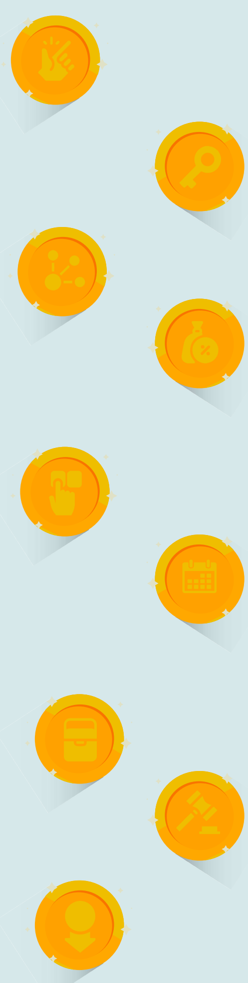

सरलता

एक आसान प्रक्रिया के ज़रिए NPS अकाउंट खोलें और अपना परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर (PRAN) प्राप्त करें।

आसान एक्सेस

e-NPS या किसी भी PoP के ज़रिए अपना NPS अकाउंट शुरू करें और प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके अपने अकाउंट में ऑनलाइन जमा भी करें।

जमा करने में लचीलापन

NPS आपको साल के दौरान किसी भी समय किसी भी राशि का अंशदान करने की आजादी देता है (कम से कम ₹500 प्रति अंशदान; हर साल कुल अंशदान ₹1000 या ज़्यादा होनी चाहिए)।

टैक्स लाभ

आपके द्वारा जमा की गई राशि टैक्स डिडक्शन के योग्य होती है। ज़्यादा जानकारी के लिए "NPS के तहत टैक्सेशन" सेक्शन देखें।

निवेश की आजादी

NPS में आप विभिन्न पेंशन निवेश विकल्पों में से कोई भी विकल्प चुन सकते हैं, और आप अपनी मर्जी के मुताबिक अपना रिटायरमेंट प्लान कर सकते हैं। ज़्यादा जानकारी के लिए इस अध्याय में "NPS के तहत निवेश के विकल्प" सेक्शन देखें।

स्थिरता

आप अपनी नियमित इनकम के बारे में फ़िक्र करना बंद कर सकते हैं क्योंकि NPS नियमित पेंशन पेमेंट प्रदान करता है (ये आपके द्वारा चुने गए पेंशन के प्रकार के आधार पर निश्चित या परिवर्तनशील हो सकते हैं)।

पोर्टेबिलिटी

जब आप एक बार NPS अकाउंट खोल लेते हैं, तो यह हमेशा आपके पास रहता है - चाहे आप अपना शहर बदल लें या अपनी नौकरी बदल लें।

अच्छी तरह से नियंत्रित

NPS को पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (PFRDA) द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो पारदर्शी पेंशन निवेश मानदंड, नियमित निगरानी और NPS ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित फंड्स के प्रदर्शन की समीक्षा प्रदान करती है।

कम लागत

NPS भारत में सबसे कम लागत वाले पेंशन प्लान में से एक है। इसमें आप लंबी अवधि की बचत और निवेश के ज़रिए अपने रिटायरमेंट फंड को बढ़ा सकते हैं जो महंगाई को मात देने के लिए आपको रिटर्न प्रदान करते हैं।

NPS के तहत निवेश के विकल्प

अब हम NPS के तहत उपलब्ध निवेश विकल्पों पर करीब से नज़र डालते हैं। आप एक्टिव चॉइस, ऑटो चॉइस या अन्य विकल्प चुन सकते हैं।

एक्टिव चॉइस क्या है?

अगर आप ऐसे इंसान हैं जो निवेश मार्केट को अच्छी तरह से समझते हैं, तो आपको यह विकल्प पसंद आ सकता है। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह विकल्प आपको सक्रिय तौर पर यह फैसला लेने की अनुमति देता है कि आपका अंशदान किस तरह से इक्विटी (E), कॉर्पोरेट ऋण (C), गवर्नमेंट सिक्योरिटीज (G) और वैकल्पिक एसेट (A) के एसेट वर्गों में निवेश किया जाना है।

ऑटो चॉइस क्या है?

यदि आप ऐसे इंसान हैं जो चीजें आसान रखना चाहते हैं और अपने फंड मैनेजर से निवेश को मैनेज कराना चाहते हैं, तो ऑटो चॉइस आपके लिए अच्छा विकल्प है। यह आपकी उम्र के आधार पर गतिशील रूप से फंड्स बांट कर आपके निवेश को कई अलग-अलग एसेट क्लास में विभाजित करता है। ऑटो चॉइस में तीन एसेट वर्ग उपलब्ध हैं - एग्रेसिव, मॉडरेट और कंजर्वेटिव।

स्कीम और पेंशन फंड मैनेजर बदलना

सब्सक्राइबर के पास एक वित्तीय वर्ष में चार बार ऑटो और एक्टिव प्लान के बीच स्विच करने का विकल्प होता है। पेंशन फंड मैनेजर को भी साल में एक बार बदला जा सकता है।

चलिए इन एसेट वर्गों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

एग्रेसिव लाइफ साइकिल फंड

यह फंड आपके इक्विटी निवेश को आपके कुल एसेट के 75% तक सीमित करता है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, इक्विटी निवेश में आपका एक्सपोजर धीरे-धीरे कम होता जाता है। देखें कि एग्रेसिव लाइफ साइकिल फंड के तहत आपकी उम्र के मुताबिक आपका अंशदान तीन एसेट क्लास में कैसे बांटा जाएगा।

उम्र (साल में)	एसेट क्लास E	एसेट क्लास C	एसेट क्लास G
35 तक	75	10	15
36	71	11	18
37	67	12	21
38	63	13	24
39	59	14	27
40	55	15	30
41	51	16	33
42	47	17	36
43	43	18	39
44	39	19	42
45	35	20	45
46	32	20	48
47	29	20	51
48	26	20	54
49	23	20	57
50	20	20	60
51	19	18	63
52	18	16	66
53	17	14	69
54	16	12	72
55 और उससे ज़्यादा	15	10	75

मॉडरेट लाइफ साइकिल

35 साल तक की उम्र तक इक्विटी निवेश में एक्सपोज़र आपके कुल एसेट का 50% है और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, यह कम होता जाता है।

उम्र (साल में)	एसेट क्लास E	एसेट क्लास C	एसेट क्लास G
35 तक	50	30	20
36	48	29	23
37	46	28	26
38	44	27	29
39	42	26	32
40	40	25	35
41	38	24	38
42	36	23	41
43	34	22	44
44	32	21	47
45	30	20	50
46	28	19	53
47	26	18	56
48	24	17	59
49	22	16	62
50	20	15	65
51	18	14	68
52	16	13	71
53	14	12	74
54	12	11	77
55 और उससे ज़्यादा	10	10	8

NPS के तहत विड्रॉल और एग्ज़िट पर टैक्सेशन

आप विड्रॉल-एग्जिट सेक्शन में पहले बताई गई शर्तों के अधीन आंशिक/एकमुश्त/मृत्यु होने पर टैक्स फ्री विड्रॉल कर सकते हैं।

NPS के तहत एन्यूइटी खरीदने/पेंशन पर टैक्सेशन

- एन्यूइटी खरीदने के लिए निवेश की गई राशि टैक्स फ्री है
- किसी अन्य इनकम की तरह आपके इंडिविजुअल टैक्स ब्रैकेट के आधार पर नियमित पेंशन/एन्यूइटी पर भी टैक्स लगता है

कंजर्वेटिव लाइफ साइकिल फंड

यह फंड आपकी 35 साल की उम्र तक कुल एसेट के 25% की सीमा तक इक्विटी में एलोकेशन को सीमित करता है और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, यह और कम होता जाता है।

इस उदाहरण की मदद से आप बेहतर तरीके से समझ पाएंगे:

उम्र (साल में)	एसेट क्लास E	एसेट क्लास C	एसेट क्लास G
35 तक	25	45	30
36	24	43	33
37	23	41	36
38	22	39	39
39	21	37	42
40	20	35	45
41	19	33	48
42	18	31	51
43	17	29	54
44	16	27	57
45	15	25	60
46	14	23	63
47	13	21	66
48	12	19	69
49	11	17	72
50	10	15	75
51	9	13	78
52	8	11	81
53	7	9	84
54	6	7	87
55 और उससे ज़्यादा	5	5	9

टैक्सेशन लाभ

NPS इंडिविजुअल और कॉर्पोरेट कर्मचारियों को अंशदान और विड्रॉल या एग्जिट पर कई तरह के टैक्स लाभ प्रदान करता है। मैंने नीचे इन पहलुओं के बारे में बताया है :

अंशदान पर NPS के तहत टैक्सेशन

इंडिविजुअल के लिए टैक्स बेनिफिट

- आप NPS अंशदान के लिए सेक्शन 80CCD (1A) के तहत टैक्स बेनिफिट और सेक्शन 80 CCE* के तहत ₹ 1.5 लाख की सीमा तक टैक्स डिडक्शन प्राप्त कर सकते हैं।
- NPS सब्सक्राइबर्स के लिए ख़ास तौर पर सेक्शन 80 CCD (1B) के तहत NPS (टियर I अकाउंट) में ₹ 50,000 तक के निवेश पर अतिरिक्त डिडक्शन उपलब्ध है।

*सेक्शन 80 CCE के मुताबिक, सेक्शन 80C, सेक्शन 80 CCC और सेक्शन 80 CCD की उपधारा (1) के तहत टैक्स डिडक्शन की कुल राशि किसी भी स्थिति में, ₹ 1.5 लाख से ज़्यादा नहीं होगी।

कॉर्पोरेट कर्मचारियों के लिए टैक्स बेनिफिट

कॉर्पोरेट कर्मचारी सेक्शन CCD (2) के तहत वेतन के 10% तक अपने अंशदान पर अतिरिक्त टैक्स बेनिफिट क्लेम कर सकते हैं। यह सेक्शन 80CCD (1A) और 80CCD (1B) (सभी निवेश स्कीम के लिए ₹ 7.5 लाख की कुल सीमा के अधीन) के तहत उल्लिखित सीमा से अधिक है।

अपना NPS अकाउंट कैसे खोलें?

चलिए अब आपका NPS अकाउंट खोलने का वक्त आ गया है। जानना चाहते हैं कि यह कैसे किया जाता है? अकाउंट खोलने के दो तरीके हैं।

आप अपनी मर्जी के हिसाब से ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरह से NPS अकाउंट खोल सकते हैं।

ऑनलाइन

आप eNPS प्लेटफॉर्म https://www.npstrust.org.in/content/open-your-nps-account-online का इस्तेमाल करके अपना ऑनलाइन NPS अकाउंट खोल सकते हैं। यह काफी जल्दी हो जाता है और आसान है; आप अपने बैंक अकाउंट, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के ज़रिए अंशदान कर सकते हैं।

ऑफलाइन

PFRDA आपकी मदद के लिए पॉइंट ऑफ प्रेज़ेंस (POP) संस्थाओं को नियुक्त करता है। NPS अकाउंट खोलने के फॉर्म POP से लिए जा सकते हैं और संबंधित डाक्यूमेंट्स के साथ जमा करवाए जा सकते हैं। आप POP के ज़रिए भी अंशदान कर सकते हैं।

अगर आप केंद्रीय, राज्य या प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी हैं, तो NPS एनरोलमेंट के लिए अपने एचआर डिपार्टमेंट से संपर्क करें। अधिकांश POP अब आपको अकाउंट खोलने का ऑनलाइन विकल्प प्रदान करते हैं।

विड्रॉल/एग्ज़िट

NPS के कई फायदों में से एक फायदा यह है कि इसमें आप व्यक्तिगत जरूरतों से निपटने के लिए अपने फंड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आइए देखते हैं कि ऐसा किस तरह होता है।

एग्जिट

आप नीचे बताई गई परिस्थितियों में NPS से पूरी तरह से एग्जिट कर सकते हैं और अपना सब्सक्रिप्शन समाप्त कर सकते हैं।

एग्जिट (60 साल/रिटायरमेंट की तारीख से पहले)

समय से पहले एग्जिट करने के मामले में, आपके संचित फंड के कम से कम 80% का इस्तेमाल एन्यूइटी खरीदने के लिए किया जाता है ताकि आपको नियमित पेंशन मिल सके। शेष 20% राशि को एकमुश्त निकाला जा सकता है।

NPS के तहत अकाउंट खोलने के न्यूनतम 5 साल पूरे होने पर ही ऐसा करने की अनुमति है।
यदि कॉर्पस ₹ 2.5 लाख से कम है, तो रिटायरमेंट पर पूरी राशि का एकमुश्त पेमेंट किया जाएगा।

डेफरमेंट विकल्प

समय से पहले एग्जिट के मामले में, आपके पास अपनी पेंशन या एकमुश्त विड्रॉल को डेफर (विलंबित) करने का विकल्प नहीं होता है।

रिटायरमेंट पर

जब आप 60 साल के हो जाते हैं, तो आप एकमुश्त 60% तक राशि विड्रॉ करने का विकल्प चुन सकते हैं और शेष 40% (अनिवार्य एन्युइटाइज़ेशन) का इस्तेमाल नियमित पेंशन के लिए कर सकते हैं।

एग्जिट (18-60 की उम्र में जॉइन करना)

60 वर्ष से पहले या सुपरएनुएशन (5 साल पूरे होने पर)

- एन्युइटाइज़ेशन = न्यूनतम 80%
- एकमुश्त राशि विड्रॉल = अधिकतम 20%
- अगर कॉर्पस ₹ 2.5 लाख से कम है, तो पूर्ण विड्रॉल की अनुमति है

60 साल के होने पर और 75 साल की उम्र तक

- एन्युइटाइज़ेशन = न्यूनतम 40%
- एकमुश्त राशि विड्रॉल = अधिकतम 60%
- अगर कॉर्पस ₹ 5 लाख से कम है, तो पूर्ण विड्रॉल की अनुमति है
- 75 साल की उम्र तक जारी रखने का विकल्प
- 75 साल की उम्र तक एकमुश्त राशि को डेफर (विलंबित) करने और सालाना किश्तों में विड्रॉ करने का विकल्प। 75 साल की उम्र तक एन्यूइटी खरीद डेफर (विलंबित) कर सकते हैं।

किसी कारण से मृत्यु हो जाने पर

- नॉमिनी पेंशन राशि का 100% एकमुश्त विड्रॉ कर सकता है
नॉमिनी कॉर्पस का इस्तेमाल करके एन्यूइटी खरीदने का विकल्प भी चुन सकता है

एग्जिट (60 साल की उम्र के बाद जॉइन करना)

3 साल पूरे होने से पहले

- एन्युइटाइज़ेशन = न्यूनतम 80%
- एकमुश्त राशि विड्रॉल = अधिकतम 20%
- अगर कॉर्पस ₹ 2.5 लाख से कम है, तो पूर्ण विड्रॉल की अनुमति है

3 साल पूरे होने पर और 75 साल की उम्र तक

- एन्युइटाइज़ेशन = न्यूनतम 40%
- एकमुश्त राशि विड्रॉल = अधिकतम 60%
- अगर कॉर्पस ₹ 5 लाख से कम है, तो पूर्ण विड्रॉल की अनुमति है

किसी कारण से मृत्यु हो जाने पर

- नॉमिनी पेंशन राशि का 100% एकमुश्त विड्रॉ कर सकता है
- नॉमिनी कॉर्पस का इस्तेमाल करके एन्यूइटी खरीदने का विकल्प भी चुन सकता है

डेफरमेंट विकल्प

आप रिटायरमेंट पर अपनी पेंशन और एकमुश्त विड्रॉल को 75 साल की आयु तक डेफर कर सकते हैं।

आंशिक विड्रॉल

यहां बताई गई परिस्थितियों के तहत आपकी सब्सक्रिप्शन अवधि के दौरान तीन बार आंशिक विड्रॉल किया जा सकता है।

- बच्चों की उच्च शिक्षा या उनकी शादी
- अपने नाम से घर खरीदना या बनवाना
- आपके और आपके प्रियजनों के अस्पताल में भर्ती होने पर पैसे की ज़रूरत पड़ने पर
- NPS में सब्सक्रिप्शन के कम से कम 3 साल पूरे होने पर
- हर विड्रॉल आपके अपने अंशदान के 25% से ज़्यादा नहीं होना चाहिए
- 75% से ज़्यादा विकलांगता
- किसी निर्दिष्ट बीमारी का इलाज
- स्किल डेवलपमेंट / री-स्किलिंग या कोई अन्य सेल्फ-डेवलपमेंट गतिविधियाँ
- खुद का काम या कोई स्टार्टअप शुरू करना

इस बात का ध्यान रखें कि आप अपनी सब्सक्रिप्शन अवधि के दौरान अधिकतम तीन बार ही अपने अंशदान का

नॉमिनी बनाना

मान लीजिए, आपने रिटायरमेंट के बाद अपनी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत सारा पैसा निवेश किया है। अब सोचिए ... क्या होगा? अब प्रश्न ये है की रिटायरमेंट से पहले या बाद में अकस्मात मृत्यु होने पर आपके लिए इकट्ठा की हुई पेंशन धन राशि का क्या होगा? फ़िक्र न करें, NPS में आप अपनी रिटायरमेंट राशि प्राप्त करने के लिए नॉमिनी का नाम भी दे सकते हैं।

यहां बताया गया है कि आप अपने नॉमिनी किस तरह चुन सकते हैं:

01 अधिकतम तीन नॉमिनी चुनें। नाबालिग को नॉमिनी बनाने के लिए, उसके जन्म की तारीख और अभिभावक के विवरण की जरुरत पड़ती है।

02 POP को एक रिक्वेस्ट फॉर्म भेजकर नॉमिनेट करें या अगर आप eNPS के माध्यम से रजिस्टर्ड हैं, तो ऑनलाइन सबमिट करें। नॉमिनी का विवरण बाद में ऑनलाइन बदला जा सकता है।

मोबाइल ऐप और ऑनलाइन सर्विसेज

मैं समझता हूं कि यह सब थोड़ा मुश्किल लग सकता है और यही कारण है कि NPS इस काम को आसान बनाने के लिए एक यूज़र-फ्रेंडली मोबाइल ऐप भी प्रदान करता है।

NPS मोबाइल ऐप के फायदे

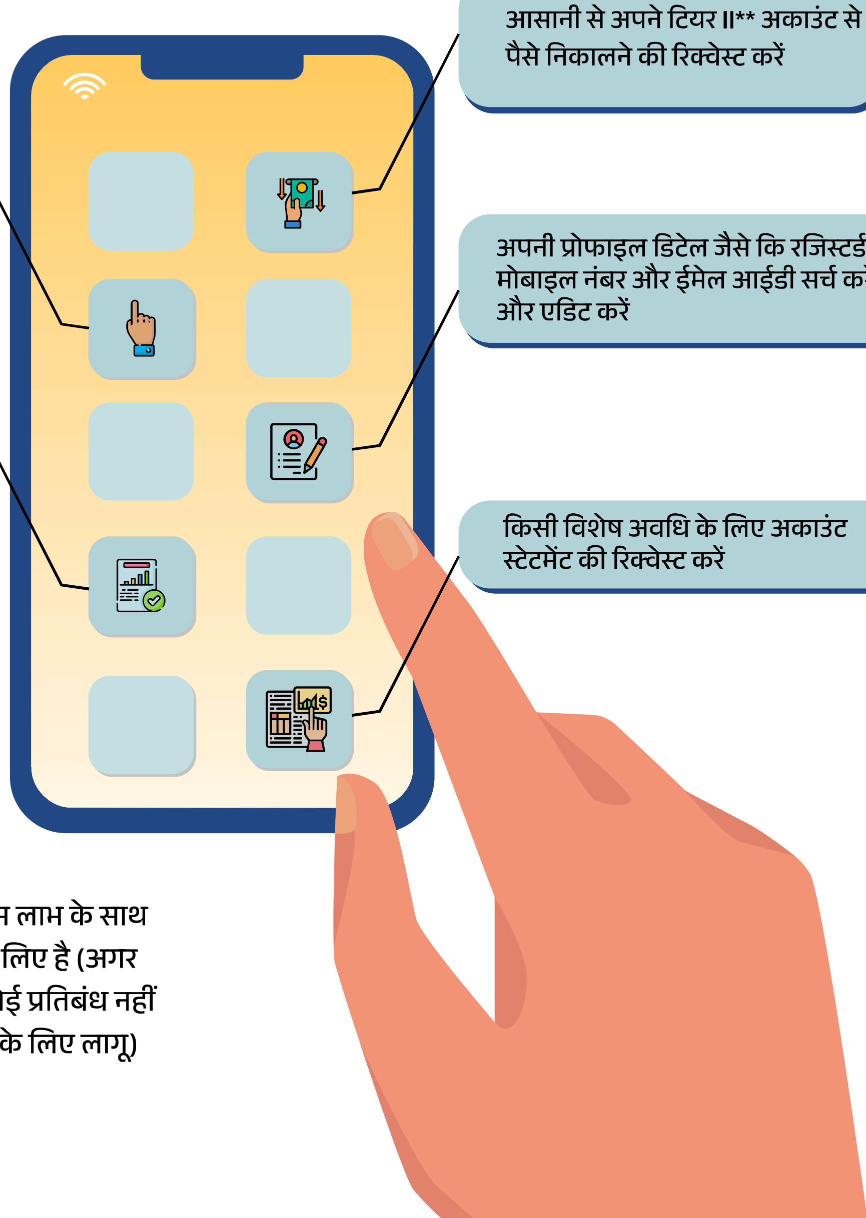

*टियर I आपकी पेंशन बचत के लिए है; टैक्स लाभ के साथ
**टियर II आपकी अतिरिक्त निवेश बचत के लिए है (अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो); विड्रॉल पर कोई प्रतिबंध नहीं (टैक्स बेनिफिट केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू)

अगर आप अपनी सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (CRA) के वेबसाइट पोर्टल का उपयोग करके, अगर eNPS के माध्यम से रजिस्टर्ड हैं या POP के वेबसाइट पोर्टल पर, अगर POP के माध्यम से रजिस्टर्ड हैं, तो अब NPS ऑनलाइन सर्विसेज के फायदों के बारे में जानते हैं।

- NPS के तहत अपना पेंशन अकाउंट खोलें (टियर I और टियर II दोनों)
- अपना NPS अकाउंट ऑनलाइन खोलने के लिए यहां क्लिक करें Fenps.nsdl.com/eNPS/OnlineSubscriberRegistration.html?appType=main
- अपना व्यक्तिगत विवरण जैसे कि ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर अपडेट करें
- अपनी प्लान प्राथमिकता में बदलाव करें
- अपने टियर I और टियर II अकाउंट में शुरुआती अंशदान करें
- अपना अकाउंट विवरण/ट्रांज़ैक्शन स्टेटमेंट देखें
- ऑनलाइन सर्विसेज का इस्तेमाल करके अपने टियर II अकाउंट से विड्रॉल की रिक्वेस्ट करें

सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (CRA)

अगर आप यह सोच रहे हैं कि NPS में अपने निवेश के प्रदर्शन को कैसे चेक करें, तो आप अपने PRAN किट के साथ दिए गए लॉग इन आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करके अपने NPS अकाउंट में लॉग इन करके ऐसा कर सकते हैं।

NPS की ऑनलाइन सुविधाएं इसे एक शानदार पेंशन प्लान बनाती हैं। यह आपको कई तरह से शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी देता है। चलिए इसके बारे में जानते हैं।

CRA को निर्देशित फिजिकल फॉर्म

POP सर्विस प्रोवाइडर्स को एक निर्धारित फॉर्म में अपनी शिकायत जमा करें, जो इसे सेंट्रल ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम (CGMS) के CRA को फॉरवर्ड करेंगे।

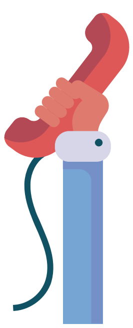

कॉल सेंटर/इंटरेक्टिव वॉइस रिस्पॉन्स सिस्टम (IVR)

टोल-फ्री नंबर 1800-110-708 पर PFRDA कॉल सेंटर से संपर्क करें

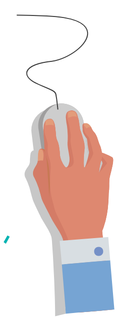

वेब-आधारित इंटरफेस

टेली-क्वेरी पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर (T-PIN) का इस्तेमाल करके टोल-फ्री नंबर (022) 24993499 से CRA कॉल सेंटर पर अपनी शिकायत दर्ज करें। आप www.npscra.nsdl.co.in पर जाकर अपने इंटरनेट पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर (I-PIN) का इस्तेमाल करके भी रजिस्टर कर सकते हैं।

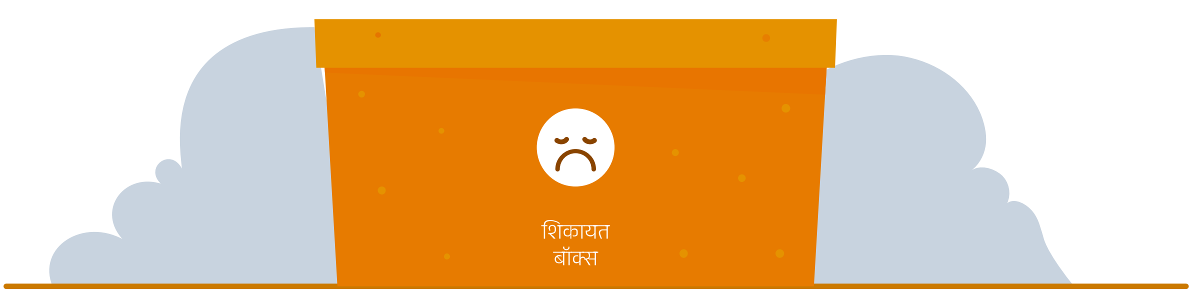

CRA पोर्टेबिलिटी: सब्सक्रिप्शन प्रकार में बदलाव के कारण (यानी ऑल सिटीजन से कॉर्पोरेट मॉडल में और कॉर्पोरेट मॉडल से ऑल सिटीजन में) अगर आवश्यक हो, तो CRA के बीच आसानी से स्विच करें।

एन्यूइटी

मैंने इस शब्द का कई बार उल्लेख किया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तव में इसका क्या मतलब है? चलिए मैं आपको बता देता हूँ।

एन्यूइटी, एकमुश्त राशि के बदले में भविष्य में नियमित पेंशन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए प्रोडक्ट्स हैं।

आप अपनी बचत को एन्युइटाइज़ करके, उन्हें समय-समय पर पेमेंट के लिए एक्सचेंज कर सकते हैं जो आपके जीवनकाल तक चलेगा।

एन्यूइटी कई प्रकार की होती है जिनके कई तरह के फायदे होते हैं।

01 **एक समान दर पर आजीवन देय** एन्यूइटी/पेंशन।

02 **5, 10, 15 या 20 सालों के लिए निश्चित तौर** पर देय एन्यूइटी और उसके बाद जब तक एन्यूइटेंट जीवित रहता है।

03 एन्यूइटेंट की **मृत्यु पश्चात खरीद मूल्य के रिटर्न** के साथ जीवन भर के लिए एन्यूइटी।

04 जीवनपर्यंत देय एन्यूइटी जो **3% सालाना की साधारण दर से बढ़ती है।**

05 सब्सक्राइबर की मृत्यु के बाद उनके **जीवनसाथी को उनके पूरे जीवनकाल के दौरान एन्यूइटी का 50% देने का प्रावधान**

06 सब्सक्राइबर की मृत्यु के बाद उनके जीवनसाथी को उनके जीवनकाल के दौरान **एन्यूइटी का 100% देने का प्रावधान**

07 **जीवनसाथी को उनके** जीवनकाल के दौरान **एन्यूइटी का 100% देने का प्रावधान; अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु हो जाने पर खरीद मूल्य रिटर्न कर दिया जाता है**

मनीराम
मंत्र

आप दो NPS निवेश विकल्पों में से कोई विकल्प चुन सकते हैं - **एक्टिव चॉइस और ऑटो चॉइस।**

NPS इंडिविजुअल और कॉर्पोरेट **कर्मचारियों को कई फायदे** प्रदान करता है।

NPS में एन्यूइटी आपके रिटायरमेंट फंड में एक प्रकार का निवेश है जो एक **निर्धारित समय या जीवन के लिए नियमित पेमेंट प्रदान करता है।**

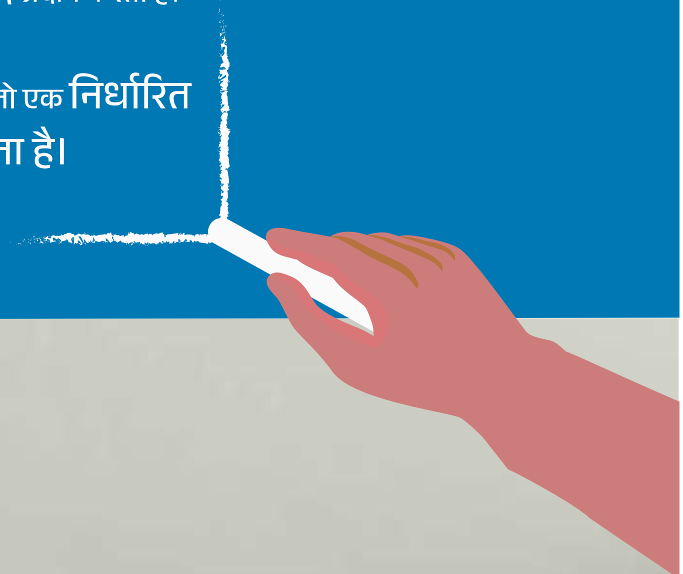

अध्याय 05

अटल पेंशन योजना की शक्ति

क्या आप जानते हैं कि भारत के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले बहुत से लोगों को यह बात पता नहीं है कि उनके लिए भी कोई पेंशन प्लान है?

अब मैं अपने अगले सुपरस्टार के बारे में आपसे बात करना चाहता हूं - और यह है अटल पेंशन योजना(APY)

APY जिस प्रकार के लाभ देता है, उससे सब्सक्राइबर्स का रिटायरमेंट के बाद का जीवन शांति और खुशहाली से बीत सकता है।

चलिए इसके बारे में जानते हैं।

APY सरकार द्वारा प्रायोजित प्लान है जो एक गारंटीड मासिक पेंशन प्रदान करता है

स्कीम के तहत उपलब्ध मासिक पेंशन स्लैब ₹1000, 2000, 3000, 4000 या ₹5000 हैं

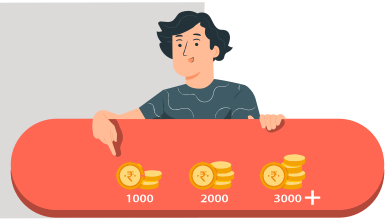

इसमें किया जाने वाला अंशदान चुनी गई पेंशन राशि और स्कीम जॉइन करते समय सब्सक्राइबर की उम्र पर आधारित होता है।

इसका उद्देश्य औपचारिक पेंशन प्रावधान के साथ किसी को भी नियमित मासिक पेंशन प्रदान करना और खर्चों को पूरा करने में उनकी मदद करना है।

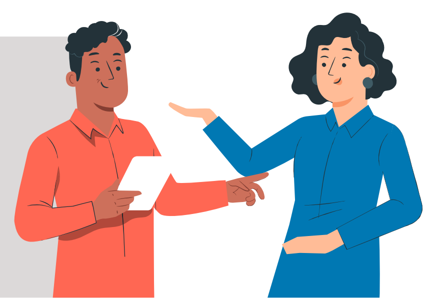

अगर आपकी उम्र 18 से 40 साल के बीच है तो आप APY जॉइन कर सकते हैं। आप जितनी जल्दी शुरू करेंगे, आपका रिटायरमेंट उतना ही शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

NPS की तरह APY अकाउंट खोलने के भी दो तरीके हैं
- ऑफलाइन और ऑनलाइन।

1. **ऑफलाइन**

- उस बैंक में जाएं जिसमें आपका सेविंग अकाउंट है
- इसमें बाकी के मुकाबले ज़्यादा स्पेसिंग नज़र आ रही है
- आधार कार्ड जैसे ज़रूरी डॉक्यूमेंट अपने पास रखें

2. **ऑनलाइन**

आप अपने बैंक की नेट बैंकिंग सुविधा से जल्दी और आसानी से APY अकाउंट खोल सकते हैं। अपना APY अकाउंट ऑनलाइन रजिस्टर करने के लिए यहां क्लिक करें। enps.nsdl.com/eNPS/ApySubRegistration.html

अब मैं आपको जल्दी से बता देता हूँ कि आप अपना APY अकाउंट किस तरह ऑपरेट कर सकते हैं।

- आप बैंक के साथ ऑटो-डेबिट सुविधा सेट करके अपने APY अकाउंट में अंशदान कर सकते हैं
- लेट फ़ीस चुकाने से बचने के लिए नियत तारीख पर अपने सेविंग अकाउंट में पर्याप्त राशि रखें
- आप हर साल अप्रैल में एक्युम्युलेशन फेज में अपनी पेंशन राशि को बढ़ाने या घटाने का विकल्प चुन सकते हैं
- आपको अपनी गारंटीड मासिक पेंशन के लिए 60 साल की उम्र में एक रिक्वेस्ट सबमिट करनी होगी
- आपके 60 साल की उम्र तक पहुंचने से पहले प्लान को कैंसिल करने की अनुमति नहीं है। मृत्यु या लाइलाज बीमारी अपवाद हैं।

3. **eAPY**

PFRDA ने अब आपका APY अकाउंट खोलने के लिए एक डिजिटल मोड शुरू किया है। eAPY के माध्यम से सब्सक्राइबर को मिलने वाले विभिन्न फायदों पर एक नज़र डालें।

- संपूर्ण डिजिटल समाधान
- अपने घर/ऑफिस में आराम से बैठे-बैठे 24/7 एनरोलमेंट; बैंक ब्रांच में जाने की जरूरत नहीं पड़ती
- कोई फिजिकल फॉर्म जमा करवाने की जरुरत नहीं
- अपना वक्त, मेहनत और लागत बचाएं

यह POP-SPs को भी फायदे प्रदान करता है।

- सोर्सिंग का अतिरिक्त मोड
- कोई मैन्युअल हस्तक्षेप नहीं — डेटा फ्लो इलेक्ट्रॉनिक रूप में होता है
- भौगोलिक क्षेत्रों में सब्सक्राइबर तक पहुंचने की क्षमता
- कम समय और मेहनत
- फॉर्म को स्टोर करके रखने की जरुरत नहीं पड़ती है
- ज़्यादा एनरोलमेंट के लिए लीड जनरेशन मॉड्यूल

यहां दी गई तालिका दर्शाती है कि उम्र, जॉइन करने का समय और मासिक अंशदान राशि के आधार पर APY अकाउंट किस तरह काम करता है।

	अनुमानित मासिक पेंशन	₹ 1,000	₹ 2,000	₹ 3,000	₹ 4,000	₹ 5,000
	नॉमिनी को कॉर्पस का रिटर्न	₹ 1.7 लाख	₹ 3.4 लाख	₹ 5.1 लाख	₹ 6.8 लाख	₹ 8.5 लाख
जॉइन करने की उम्र (साल में)	अंशदान के साल	सांकेतिक मासिक अंशदान (₹ में)	सांकेतिक मासिक अंशदान (₹ में)	सांकेतिक मासिक अंशदान (₹ में)	सांकेतिक मासिक अंशदान (₹ में)	सांकेतिक मासिक अंशदान (₹ में)
18	42	42	84	126	168	210
19	41	46	92	138	183	228
20	40	50	100	150	198	248
21	39	54	108	162	215	269
22	38	59	117	177	234	292
23	37	64	127	192	254	318
24	36	70	139	208	277	346
25	35	76	151	226	301	376
26	34	82	164	246	327	409
27	33	90	178	268	356	446
28	32	97	194	292	388	485
29	31	106	212	318	423	529
30	30	116	231	347	462	577
31	29	126	252	379	504	630
32	28	138	276	414	551	689
33	27	151	302	453	602	752
34	26	165	330	495	659	824
35	25	181	362	543	722	902
36	24	198	396	594	792	990
37	23	218	436	654	870	1087
38	22	240	480	720	957	1196
39	21	264	528	792	1054	1318
40	20	291	582	873	1164	1454

मुझे लगता है कि आप अब APY की शक्ति के बारे में आश्वस्त हो चुके हैं, लेकिन मैं फिर भी आपको कुछ और विवरण देना चाहूंगा। जानकारी शक्ति होती है, इसलिए ज़्यादा से ज़्यादा जानकारी लेना हमेशा अच्छा होता है।

1. सब्सक्राइबर की मृत्यु होने पर

- मृत्यु के बाद आपकी पेंशन का 100% आपके जीवनसाथी को मिल जाएगा। आपके जीवनसाथी के मृत्यु के बाद, इस पेंशन को प्रदान करने के लिए एन्यूइटी की खरीद हेतु इस्तेमाल की गई राशि आपके नॉमिनी को मिल जाएगी।
- आपके जीवनसाथी के पास APY अकाउंट को चालू रखने या बंद करने और आपके द्वारा किए गए अंशदान के साथ-साथ अर्जित किसी भी बेनिफिट को प्राप्त करने का विकल्प होता है।

2. रिटायरमेंट बेनिफिट

APY का मुख्य फायदा यह है कि 60 साल की उम्र के बाद देय मासिक पेंशन की गारंटी सरकार देती है। मासिक पेंशन आपके द्वारा अंशदान की गई राशि पर निर्भर करती है।

3. टैक्स लाभ

सेक्शन 80CCD के तहत इस अंशदान के लिए टैक्स छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

मनीराम मंत्र

APY **सरकार द्वारा गारंटीड पेंशन** प्रदान करता है और यह आप कितना अंशदान करते हैं और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर होता है ।

अगर आपकी उम्र **18-40 साल** के बीच है, तो APY स्कीम में शामिल हो सकतें हैं।

APY **तीन गारंटीड बेनिफिट प्रदान करता है।**

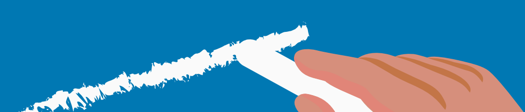

उपसंहार

उम्मीद करता हूँ कि आपको यह किताब पढ़कर अच्छा लगा होगा। मेरा यह सोचना है कि यह व्यापक और आकर्षक है, और इसने आपको रिटायरमेंट प्लानिंग, भविष्य के लिए बचत, NPS, APY और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई फायदों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की होगी।

मैं एक समापन विचार के तौर पर आपको रिटायरमेंट के लिए योजना बनाने की अहमियत के बारे में याद दिलाना चाहता हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने जवान हैं या वृद्ध, तुरंत शुरुआत करें और वृद्धावस्था में इसका लाभ उठाएं। जब रिटायरमेंट प्लान करने की बात आती है तो NPS और APY आपके दो भरोसेमंद मित्र हैं। अगर आप अपनी रिटायरमेंट जीवनकाल का आनंद लेना चाहते हैं, तो आप कई तरह के पेंशन प्लान में से चुनाव कर सकते हैं। तो आप किसका इंतज़ार कर रहे हैं? अभी से शुरुआत करें। मैं जाने से पहले आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि आप हमेशा मुझसे 011-26517501-03 पर संपर्क कर सकते हैं।

याद रखें, सिर्फ अपनी नौकरी से रिटायर न हों, बल्कि अपने रिटायरमेंट का प्लान बनाएं। NPS और APY जैसी स्कीम का लाभ उठाएं।

PFRDA कभी भी आपको NPS/PFRDA से फंड जारी करने के लिए पैसे जमा करवाने का अनुरोध करने के लिए कॉल नहीं करता है। धोखाधड़ी के

पारिभाषिक शब्दावली

A

संपत्ति (Asset)

कोई भी ऐसी चीज जो अपने मालिक के लिए आर्थिक मूल्य रखती है। यह कैश, इन्वेंटरी, सिक्योरिटी, या रियल एस्टेट कुछ भी हो सकता है।

एन्यूइटी (Annuity)

यह एन्यूइटी खरीदते समय चुनी गई अवधि के लिए ग्राहक को नियमित भुगतान करने के लिए इंश्योरेंस कंपनी द्वारा किया गया कॉन्ट्रैक्ट होता है।

एसेट एलोकेशन (Asset Allocation)

एक निवेश पोर्टफोलियो का अलग-अलग एसेट कैटेगरी में विभाजन

एन्यूइटेंट (Annuitant)

वह व्यक्ति जो एन्यूइटी प्राप्त करता है

अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना (APY)एक नियमित अंशदान-आधारित पेंशन योजना है जो ₹ 1,000/2,000/3,000/4,000/5,000 की गारंटीड पेंशन का वादा करती है। यह पेंशन 60 साल की उम्र से शुरू होती है।

B

बॉन्ड (Bond)

बॉन्ड एक ऋण साधन है जिसमें कोई निवेशक किसी इकाई/कंपनी को पैसा उधार देता है, जो एक निश्चित समय के लिए बदलने वाली या तय ब्याज दर पर पैसे उधार लेती है।

C

कॉर्पस (Corpus)

सभी निवेशकों द्वारा किसी विशेष स्कीम में निवेश किया गया कुल पैसा

कंपाउंडिंग (Compounding)

किसी एसेट की कमाई करके देने की क्षमता, जिसे आगे और पैसा कमाने के लिए फिर से निवेश किया जाता है।

E

इक्विटी (Equities)

रियल एस्टेट और सामान्य स्टॉक, इक्विटी के उदाहरण हैं जहां निवेशकों को मालिकाना हक़ का एक निश्चित हिस्सा मिलता है।

H

हेल्थ इंश्योरेंस (Health Insurance)

एक ऐसा कॉन्ट्रैक्ट जिसमें कोई इंश्योरेंस कंपनी मेडिकल खर्च होने पर मेडिकल कवरेज प्रदान करती है।

I

महंगाई (Inflation)

वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य बढ़ोतरी के कारण उन्हें खरीदने की क्षमता कम हो जाना

L

एकमुश्त (Lump Sum)

फ़ाइनेंशियल प्लान से प्राप्त हुए लाभों का एक ही भुगतान में वितरण।

लाइफ साइकिल फंड (Lifecycle Fund)

ऐसा म्यूचुअल फंड जो निवेशक के अपेक्षित रिटायरमेंट की उम्र के आधार पर एसेट एलोकेशन को मेंटेन रखता है

लोन (Loan)

किसी फाइनेंशियल संस्थान/व्यक्ति से उधार ली गई राशि, जिसे ब्याज सहित वापस चुकाना होता है।

M

बाज़ार से जुड़े निवेश (Market-Linked Investments)

यह डेट सिक्योरिटीज या बॉन्ड होते हैं जिनका रिटर्न किसी अन्य एसेट के प्रदर्शन से जुड़ा होता है।

N

नेशनल पेंशन सिस्टम (National Pension System)

नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) रिटायरमेंट के लिए बचत करने का एक प्रोग्राम है जो सभी को पर्याप्त रिटायरमेंट आय प्रदान करता है। यह भविष्य के किसी ख़ास उद्देश्य के लिए बचत करने में लोगों की मदद करता है।

P

पॉइंट ऑफ प्रेज़ेंस (Point of Presence)

पॉइंट ऑफ प्रेज़ेंस डिस्ट्रीब्यूशन चैनल होते हैं जो NPS के तहत सब्सक्राइबर/संभावित सब्सक्राइबर को POP सर्विस प्रोवाइडर्स नामक शाखाओं के अपने नेटवर्क के ज़रिए सेवाएं प्रदान करते हैं।

पेंशन (Pension)

किसी व्यक्ति को रिटायरमेंट के बाद राज्य या पूर्व नियोक्ता द्वारा दी जाने वाली नियमित राशि

पेआउट (Payout)

किसी को मुआवजे या डिविडेंड के तौर पर दी गई बड़ी राशि

आंशिक विड्रॉल (Partial Withdrawal)

फंड का कोई भी हिस्सा जिसे पॉलिसी की अवधि के दौरान पॉलिसी होल्डर द्वारा भुनाया / निकाला जाता है

R

विनियामक संस्था/एजेंसी (Regulatory Body)

कोई सार्वजनिक संस्था या सरकारी एजेंसी जो कानूनी रूप से मानवीय गतिविधियों के पहलुओं पर नज़र रखने के लिए जिम्मेदार है

निवेश पर रिटर्न (Return on Investment)

निवेश पर रिटर्न (ROI) एक मीट्रिक है जिसका इस्तेमाल किसी निवेश के फायदे या योग्यता का पता लगाने के लिए किया जाता है

जोखिम (Risk)

एक संभावना कि किसी फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट के रिटर्न की दर अलग हो सकती है और नुकसान भी हो सकता है

S

S2 फॉर्म

इस फॉर्म का उपयोग सब्सक्राइबर के व्यक्तिगत विवरण, नॉमिनी विवरण में बदलाव/सुधार करने, I-पिन/T-पिन या PRAN कार्ड दोबारा इश्यू करने के उद्देश्य से किया जाता है।

सेवा प्रदाता (Service Provider)

कोई कंपनी या फर्म जो रिकॉर्ड-कीपिंग, शिक्षा की योजना बनाने और वित्तीय योजना प्रबंधन के रूप में सेवाएं प्रदान करती है

सुपरएनुएशन (Superannuation)

वह पैसा जो लोग काम करते समय किसी फंड में देते हैं ताकि जब वे अपने बुढ़ापे में काम करना बंद कर दें तो उन्हें पेमेंट मिलता रहे।

T

टियर-1 NPS अकाउंट

NPS अकाउंट्स का सबसे बुनियादी रूप। निवेशक इन अकाउंट्स में सालाना ₹1,000 जैसे कम राशि भी निवेश कर सकते हैं।

टैक्स बेनिफिट

किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा आम तौर पर किसी विशेष स्थिति में चुकाए जाने वाली टैक्स राशि में की जाने वाली कमी

V

वैल्यूएशन (Valuation)

वैल्यूएशन एक तरह की कैलक्युलेशन है जिससे किसी एसेट की वर्तमान कीमत का पता लगाया जाता है